गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 08 | गोरखपुर रविवार 17 अगस्त 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

सिलवासा में व्यक्ति ने अपने दो दिव्यांग बच्चों की हत्या के बाद फंदे से लटककर जान दी

नई दिल्ली। केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली, दमन एवं दीव के सिलवासा में एक व्यक्ति ने पत्नी के हाल ही में उसे छोड़कर चले जाने के बाद अपने दो दिव्यांग बच्चों की कथित तौर पर हत्या कर दी और फिर खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सिलवासा थाने के उपनिरीक्षक अनिल टी के ने बताया कि सुनील भाकरे (56) ने शुक्रवार दोपहर समरवरनी इलाके में किराए के अपने मकान में जय (18) और आर्य (10) की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी और फिर खुद भी फंदे से लटककर जान दे दी। उपनिरीक्षक ने बताया, प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि व्यक्ति ने पहले अपने दोनों बच्चों को जहर दिया और फिर उनका गला घोंट दिया। व्यक्ति की पत्नी लगभग दो हफ़्ते पहले उसे छोड़कर चली गई थी और उसे अपने बच्चों की देखभाल करनी पड़ रही थी, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया। व्यक्ति मुंबई के पास रायगढ़ का रहने वाला था और पिछले दो दशकों से सिलवासा में रह रहा था।

देवरिया जिला कारागार से फरार हुआ कैदी गुजरात से गिरफ्तार

देवरिया। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने देवरिया जिला कारागार से करीब ढाई साल पूर्व फरार हुए एक कैदी को गुजरात के सूरत शहर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में फरार कैदीउपेन्द्र पाण्डेय को एसटीएफ फील्ड यूनिट वाराणसी की टीम ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार रामपुर केबरईपुर गांव के निवासी आरोपी के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि उपेन्द्र 29 दिसंबर 2022 को जिला कारागार से फरार हो गया था, उसके फरार होने के मामले में पुलिस प्राथमिकी दर्ज करके जांच कर रही थी। पुलिस ने बताया कि जांच के दौरान मिली सूचना के आधार पर एसटीएफ फील्ड यूनिट-वाराणसी की टीम ने 13 अगस्त को फरार कैदी को गुजरात के सूरत शहर के शिवशक्ति नगर सोसाइटी इलाके से गिरफ्तार किया और फिर ट्रांजिट रिमांड पर देवरिया ले आई।

आभूषण की दुकान में डकैती के मामले में अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। तेलंगाना के हैदराबाद में 12 अगस्त को एक आभूषण की दुकान में डकैती डालने वाले अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस विज्ञप्ति में कहा गया कि बिहार से जुड़े इस गिरोह के सदस्यों ने हैदराबाद में सोने और हीरे के आभूषणों की दुकानों को हथियारों के बल पर लूटने की योजना बनाई थी। विज्ञप्ति के अनुसार, गिरोह ने अपने सहयोगी दीपक कुमार साह की मदद से 31 जुलाई को शहर में किराये पर मकान लिया। दीपक हैदराबाद में वेल्डिंग का काम करता है। गिरोह ने पहले चंदानगर क्षेत्र की आभूषण दुकानों की टोह ली और उसके बाद खजाना ज्वैलर्स में डकैती की। पुलिस ने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर गिरोह के एक सदस्य आशीष कुमार सिंह को महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया गया। उसकी जानकारी पर दीपक कुमार साह को भी गिरफ्तार किया गया, जिसने गिरोह को ठहरने की जगह, वाहन उपलब्ध कराए और दुकानों की पहचान में मदद की।

करदाता के लिए टैक्स प्राधिकरण की ओर से जारी समन का पालन करना जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। किसी करदाता को केंद्रीय या राज्य कर प्राधिकरण की ओर से जारी किए गए समन का पालन करना होगा और कारण बताओ नोटिस का जवाब देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए यह बात कही है। आयकर अधिनियम 1961 के तहत करदाता का मलब किसी भी ऐसे व्यक्ति या संस्था से है, जिसपर अधिनियम के तहत तय कर का भुगतान करने या किसी अन्य वित्तीय प्रतिबद्धताओं का कानूनी दायित्व है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय और राज्य जीएसटी प्राधिकारियों की ओर से लिए गए फैसलों के दोहराव को रोकने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा है कि केवल समन जारी करने से जारीकर्ता प्राधिकारी या प्राप्तकर्ता को पता नहीं चलता है कि कार्यवाही शुरू हो गई है। अदालत ने कहा, "जहां किसी करदाता को केन्द्रीय या राज्य कर प्राधिकरण की ओर से समन या कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है, वहां करदाता, प्रथम दृष्टया, उपस्थित होकर और अपेक्षित प्रतिक्रिया मुहैया कर अनुपालन करने के लिए बाध्य है, चाहे जैसा भी मामला हो। पीठ ने कहा, "जिस मामले में करदाता को पता चले कि जिस मामले की जांच हो रही है, वह पहले से ही किसी अन्य प्राधिकारी की ओर से जांच या अन्वेषण का विषय है, तो करदाता को लिखित रूप में उस प्राधिकारी को तुरंत सूचित करना होगा, जिसने बाद में जांच या अन्वेषण शुरू किया है।" शीर्ष अदालत ने कहा कि संबंधित कर अधिकारी ऐसी सूचना प्राप्त होने के बाद करदाता के दावे की सत्यता की पुष्टि के लिए एक-दूसरे से संवाद करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि इस कार्यवाही से अनावश्यक दोहराव से बचा जा सकेगा और विभाग के समय, प्रयास और संसाधनों का अधिक से अधिक उपयोग सुनिश्चित होगा, यह ध्यान में रखते हुए कि एक प्राधिकारी की ओर से शुरू की गई कार्रवाई सभी के लिए लाभदायक होती है।" पीठ ने कहा, "यदि जांच के ओवरलैप के संबंध में कर योग्य व्यक्ति का दावा

असमर्थनीय पाया जाता है, और दोनों प्राधिकारियों की जांच अलग-अलग 'विषय-वस्तुओं' से संबंधित है, तो इस आशय की सूचना, कारणों और अलग-अलग विषय-वस्तुओं के विवरण के साथ, करदाता को तुरंत लिखित रूप में दी जाएगी।"

60 मौतें, सैकड़ों लापता, किश्तवाड़ में तबाही का मंजर, मुख्यमंत्री ने मौके पर पहुंचकर लिया हालात का जायजा

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को किश्तवाड़ जिले के बादल फटने से बुरी तरह प्रभावित चिशोती गांव का दौरा किया और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। चिशोती वही गांव है, जहां 14 अगस्त को आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन ने 60 से अधिक लोगों की जान ले ली, जबकि 100 से ज्यादा घायल हुए और कई अब भी लापता हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार शाम को किश्तवाड़ पहुंचे थे और शनिवार सुबह सड़क मार्ग से चिशोती पहुंचे। उनके साथ राजनीतिक सलाहकार नासिर असलम वानी भी मौजूद थे। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें राहत कार्यों की स्थिति से अवगत कराया। पर उन्हें वर्चुअल रियलिटी हेडसेट के जरिए तबाही के पूरे दृश्य को भी दिखाया गया। चिशोती में 75 लोग लापता बताए जा रहे हैं, लेकिन स्थानीय लोगों और चश्मदीदों

का दावा है कि सैकड़ों लोग बह गए या मलबे में दबे हो सकते हैं। गांव में चारों ओर पत्थर, पेड़, लकड़ियां और मलबा फैला हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा, करीब 60 शव अब तक बरामद किए जा चुके हैं। अभी लापता लोगों की संख्या तय की जा रही है। राहत और बचाव कार्य के बाद हम यह भी जांच करेंगे कि जब मौसम विभाग ने चेतावनी दी थी, तब क्या प्रशासन कोई रोकथाम कदम उठा सकता था। चिशोती जो कि मचैल माता यात्रा का आखिरी मोटरेबल गांव है, वहां करीब दोपहर 12:25 बजे यह हादसा हुआ। तेज बारिश के साथ बादल फटने से आई बाढ़ ने अस्थायी बाजार, तीर्थयात्रियों के लंगर, एक सुरक्षा चौकी, 16 घर, 3 मंदिर, 4 पानी की चक्कियां, एक 30 मीटर लंबा पुल और दर्जनों वाहन तबाह कर दिए।

आगे का रास्ता केवल... ट्रंप-पुतिन की अलास्का बैठक पर आया भारत का रिएक्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने शनिवार को अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड

ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई हालिया शिखर वार्ता की सराहना की और यूक्रेन में संघर्ष को समाप्त करने के लिए बातचीत और कूटनीति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्वीकार किया। शनिवार को जारी एक बयान में, भारतीय विदेश मंत्रालय (टएअ) ने अलास्का में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच हुई महत्वपूर्ण शिखर वार्ता का स्वागत किया।

सांविधानिक मर्यादा को तार-तार करना उनकी दिनचर्या का हिस्सा: भाजपा ने राहुल को घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लालकिले पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की गैरमौजूदगी और

कांग्रेस ओर ओर से आयोजित समारोह में जगदीश टाइटलर की मौजूदगी की खबरों पर भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने इस मामले में राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा नेता ने कहा, "राहुल गांधी ने संवैधानिक मयार्दा को तार-तार करना अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लिया है। शायद इतिहास में पहली बार विपक्ष के नेता ने स्वतंत्रता दिवस का बहिष्कार किया है।"

चोरी चोरी, चुपके चुपके..., वोट चोरी को लेकर राहुल गांधी का तंज

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को फिल्म 'लापता लेडीज' से प्रेरित एक स्पूफ वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में उन्होंने चुनाव आयोग पर कांग्रेस के वोट चोरी के आरोपों को दोहराया और लोगों से 'वोट चोरी से आजादी' अभियान में शामिल होने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "चोरी चोरी, चुपके-चुपके... अब या नहीं, जनता जाग गई है।" वीडियो में एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति पुलिस स्टेशन में चोरी की शिकायत दर्ज कराता हुआ दिखाई दे रहा है। जब एक पुलिसकर्मी पूछता है, "क्या चोरी हुआ है?" तो वह

व्यक्ति हिचकिचाता है और जवाब देता है, "वोट।" पुलिसकर्मी चौंककर पूछता है, "यह कैसे संभव है?" वीडियो इस संदेश के साथ समाप्त होता है, "आपके वोट की चोरी आपके अधिकार की चोरी है।" यह क्लिप लापता लेडीज के एक दृश्य पर आधारित है, जिसमें एक पति पुलिस स्टेशन में रिपोर्ट दर्ज कराने जाता है कि उसकी पत्नी की अदला-बदली कर दी गई है। यह कांग्रेस द्वारा 'वोट चोरी से आजादी' अभियान शुरू करने की घोषणा के बाद आया है, जिसमें लोगों से चुनाव आयोग और भाजपा द्वारा कथित "वोट चोरी" के खिलाफ आंदोलन में शामिल होने का आह्वान किया गया था। इससे पहले, कांग्रेस पार्टी ने एक्स पर एक पोस्ट में लोगों से इस अभियान का समर्थन करने के लिए सोशल मीडिया पर अपनी डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) बदलने का आग्रह किया था।

सम्पादकीय...

राहत का फैसला

सुप्रीमकोर्ट ने फिलहाल दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के उन वाहन मालिकों को राहत दी है, जिनके वाहनों के खिलाफ पहले कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। दरअसल, प्रदूषण संकट के मद्देनजर इन क्षेत्रों में दस वर्ष से अधिक के डीजल व पंद्रह वर्ष से अधिक के पेट्रोल वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने का निर्णय हुआ था। मंगलवार को शीर्ष अदालत ने ऐसे वाहनों के मालिकों को राहत देते हुए अधिकारियों को दंडात्मक कार्रवाई रोकने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट एनजीटी के निर्देश को बरकरार रखने वाले 29 अक्तूबर 2018 के फैसले को वापस लेने की मांग से संबंधित याचिका पर विचार कर रहा था। दरअसल, एनजीटी के आदेश के अनुरूप ही वाहनों को प्रतिबंधित करने के निर्देश दिए गए थे। एनजीटी ने आदेशों के अनुपालन न करने पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई के निर्देश दिए थे। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल का कोर्ट से आग्रह था कि दंडात्मक कदम रोकने के आदेश पर विचार किया जाए। कोर्ट ने इस बाबत चार सप्ताह में जवाब देने की बात कही है। दरअसल, दिल्ली सरकार की भी ऐसी मंशा थी, जिसने प्रतिबंध को अदालत में चुनौती दी थी। वास्तव में सत्ताधीशों को आशंका थी कि इस फैसले का व्यापक विरोध हो सकता है क्योंकि लोगों को औने-पौने दामों में महंगे वाहन बेचने को बाध्य होना पड़ता। जिससे उपजा आक्रोश ट्रिपल इंजन सरकार के लिये राजनीतिक रूप से नुकसानदायक साबित हो सकता है। कोर्ट का यह भी कहना था कि केंद्र सरकार व गुणवत्ता प्रबंधन आयोग गंभीर अध्ययन करें ताकि अवधि आधारित प्रतिबंधों के मुकाबले उत्सर्जन आधारित मानदंडों का पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन हो सके। दरअसल, आम मध्यमवर्गीय परिवारों में कार का इस्तेमाल कम होता है और वे अपनी आर्थिक सीमाओं के चलते वाहनों को लंबी अवधि तक बड़े कायदे से रखते हैं। उनका वाहन अधिक वर्षों तक चलता है लेकिन उसके उपयोग की अवधि कम होती है। निस्संदेह, एक आम भारतीय के लिए कार आत्मीय अहसासों का प्रतीक भी है, जिसे वह आमतौर पर जीवन में एक बार ही खरीद पाता है। ऐसे में आत्मीय अहसासों से जुड़ी कार को औने-पौने दामों में बेचना उसके लिये कष्टकारी है। वैसे भी आजकल तमाम लोग भीड़-भाड़ से बचने के लिये टैक्सी का अधिक इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में वाहन लंबे समय तक प्रदूषण रहित जीवन पा सकता है। दरअसल, दिल्ली सरकार का भी मानना था कि वाहनों की समय सीमा संबंधी नीति लागू करते वक्त इसके निर्माण वर्ष के बजाय वास्तविक इस्तेमाल के मानक पर विचार करें। दरअसल, दिल्ली सरकार ने जनाक्रोश के चलते इसे संवेदनशील विषय मानकर अपने नजरिये में बदलाव किया। पहले जारी निर्देश में कहा गया था कि ऐसे वाहनों को एक जुलाई से दिल्ली में ईंधन नहीं दिया जाएगा, चाहे वे किसी भी राज्य में पंजीकृत हों। लेकिन व्यावहारिक दिक्कतों व लोगों के रोष के मद्देनजर इसे क्रियान्वित नहीं किया जा सका था। सरकार ने महसूस किया कि फैसला प्रतिगामी साबित हो सकता है। यह भी कि कदम समय से पहले उठा लिया गया। इस फैसले के क्रियान्वयन से जुड़ी परिचालनगत चुनौतियां भी सामने आई।

राशिफल

मेषः- आज दिन शुभ है। नए कार्य संपन्न होंगे। व्यापारी व नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है। व्यापार में लाभ व नौकरी में पदोन्नति के योग हैं। पिता से लाभ होगा।

वृषभः- मन को स्थिर रखने की सलाह गणेशजी देते हैं, क्योंकि अर्निणय की मनोदशा से अवसर गवां सकते हैं। प्रवास का आयोजन टाल दें। नए कार्य प्रारंभ न करें।

मिथुनः- लक्ष्मीजी की कृपा से दिन लाभदायी होगा। उत्तम भोजन, सुंदर वस्त्र व अपनों के साथ से दिन आनंददायी होगा। धन अधिक व्यय न करें।

कर्कः- कोई भी महत्त्वपूर्ण निर्णय न लें। संबंधियों से मनमुटाव हो सकता है। वाणी पर संयम रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मानहानि एवं धनहानि से बचें।

सिंहः- आज का दिन लाभदायी है। मित्रों से लाभ और पर्यटन की संभावना है। हाथ आया अवसर जा सकता है, इसलिए निर्णय टाल दें। व्यापार एवं आर्थिक लाभ के योग हैं।

कन्याः- आज का दिन शुभ और फलदायी होगा। महत्त्वपूर्ण निर्णय न लेने की सलाह है। यात्रा के योग हैं। लेखनकार्य के लिए अच्छा दिन है। महिला के साथ विवाद में न उतरें।

तुलाः- व्यावसाय में लाभ की संभावना है ऐसा गणेशजी कहते हैं। नौकरी व व्यापार में सहकर्मियों से सहयोग नहीं मिलेगा। लंबी यात्रा का आयोजन हो सकता है। अस्वस्थ रहेंगे।

वृश्चिकः- आज शांति व सावधानीपूर्वक रूप से रहने की गणेशजी की सलाह है। नए कार्यों में असफलता के योग हैं। क्रोध पर संयम रखें। सरकार विरोधी प्रवृत्तियों से दूर रहें।

धनुः- आज का दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सहवास का आनंद मिलेगा। प्रवास, पर्यटन होगा। लेखनकार्य के दिन अनुकूल है। साझेदारी से लाभ होगा।

मकरः- व्यापार में विकास के लिए आज का दिन लाभकारी रहेगा। धन के लेनदेन में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। घर में सुख-शांति का वातावरण बना रहेगा।

कुंभः- आप की वाणी व विचारों में शीघ्र परिवर्तन होगा। बौद्धिक चर्चा में शामिल होंगे। आकस्मिक खर्च की आशंका है। पाचन न होने जैसी बीमारियों से परेशान होंगे।

मीनः- गणेशजी कहते हैं कि आप में उत्साह व स्फूर्ति की कमी होगी। परिजनों के साथ विवाद न करें।

ट्रंप का टैरिफ हमला : बच्चे के हाथों में असली बंदूक

के रवींद्रन

इतिहास को आधार मानें, तो ट्रम्प के राजनीतिक गणित में अगले बदलाव के बाद 50 प्रतिशत टैरिफ शायद टिक न पाए। भारत से कुछ प्रतीकात्मक रियायत के बदले इसे वापस लिया जा सकता है या किसी अन्य लक्ष्य पर केंद्रित एक नए सुर्खियां बटोरने वाले कदम से प्रतिस्थापित किया जा सकता है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा, उनकी उन आर्थिक घोषणाओं की श्रृंखला में नवीनतम है जिनका असर अप्रत्याशित रूप से सीमाओं के पार भी पड़ता है। इट हाउस इसे 'अमेरिकी हितों की रक्षा' के कदम के रूप में पेश कर सकता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि यह निर्णय अमेरिकी उपभोक्ताओं को तत्काल कष्ट पहुंचाता है, महत्वपूर्ण उद्योगों को अस्थिर करता है, और आर्थिक प्रतिक्रियाओं की एक ऐसी श्रृंखला को गति प्रदान करता है जो भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार से कहीं आगे तक फैली हुई है। अमेरिकी परिवार पहले से ही इस दबाव को महसूस कर रहे हैं। भारत, केवल उपभोक्ता वस्तुओं का एक और स्रोत नहीं है – यह कई क्षेत्रों, विशेष रूप से दवा उद्योग, में एक महत्वपूर्ण आधार है। भारत में निर्मित दवाइयां लंबे समय से अमेरिकी जेनेरिक दवा बाजार पर हावी रही हैं, जिससे लाखों अमेरिकियों के लिए स्वास्थ्य सेवा लागत नियंत्रण में रही है। दशकों से, जीवन रक्षक हृदय की दवाओं से लेकर बुनियादी एंटीबायोटिक दवाओं तक, हर चीज की सामर्थ्य भारतीय जेनेरिक दवाओं के निरंतर प्रवाह पर निर्भर रही है। इन आयातों को महंगा बनाकर, ट्रम्प का टैरिफ मरीजों, बीमा प्रदाताओं और अस्पतालों के लिए उच्च कीमतों की गारंटी कर देता है। ट्रम्प इन व्यावहारिक परिणामों से बेपरवाह दिखते हैं। उनकी राजनीतिक शैली तात्कालिक शक्ति के आभास पर फलती-फूलती है। यही कारण है कि भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ, हालांकि अल्पावधि में संभावित रूप से नुकसानदेह है, उनके अगले कदम तक ही चल सकता है। फिर भी, जब तक यह लागू रहेगा, नुकसान वास्तविक होगा। छोटे और मध्यम आकार के अमेरिकी व्यवसाय जो भारतीय आयातों पर निर्भर हैं- कपड़ों से लेकर मशीनरी के पुर्जों तक- को ज्यादा लागत का सामना करना पड़ेगा, जिससे उन्हें या तो नुकसान सहना होगा या उसे ग्राहकों पर डालना होगा। खुदरा विक्रेता उत्पादों की कीमतें बढ़ाएंगे। व्यापक वैश्विक अर्थव्यवस्था, जो अभी भी महामारी के बाद की आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरी से जूझ रही है, को अनिश्चितता के एक और स्रोत के साथ तालमेल बिठाना होगा। दवाओं की कीमतें अमेरिकी राजनीति में लगातार एक मुद्दा रही हैं। ट्रम्प खुद अतीत में दवाओं की 'बेहद ऊंची' कीमतों के खिलाफ मुखर रहे हैं और खुद को आम अमेरिकियों के लिए किफायती स्वास्थ्य सेवा के हिमायती के रूप में पेश करते रहे हैं। फिर भी, यह टैरिफ, देश की सस्ती दवाओं के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक को और महंगा बनाकर, उस लक्ष्य के बिल्कुल विपरीत कार्य करता है। यह समझने के लिए कि ऐसे विरोधाभास क्यों बने रहते हैं, ट्रम्प की शासन शैली पर गौर करना होगा। वह एक पारंपरिक नीति निमार्ता की तरह कम और एक दिखावटी व्यक्ति की तरह ज्यादा काम करते हैं, जो हमेशा अपने प्रदर्शन के प्रति सचेत रहता है। कार्यकारी

आदेशों पर हस्ताक्षर के उनके समारोह, जहां वह अक्सर अपनी कलम को मंच के सहारे की तरह इस्तेमाल करते हैं। किसी बच्चे के खिलौने वाली बंदूक से खेलने जैसा। ये फैसले वास्तविक हैं, जिनके परिणाम लाखों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं। इस ताजा मामले में, भारत के साथ टकराव का नाटक मतदाताओं के उस वर्ग के साथ राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकता है जो व्यापार असंतुलन को अमेरिकी कमजोरी का सुबूत मानता है। लेकिन वैश्विक व्यापार की वास्तविक कार्यप्रणाली राजनीतिक नाटक के आगे इतनी आसानी से झुकने वाली नहीं है। टैरिफ शायद ही कभी सर्जिकल टूल के रूप में काम करते हैं; वे कुंद हथियार हैं। एक बार लागू होने के बाद, वे अप्रत्याशित रूप से प्रतिध्वनित होते हैं, और ऐसे तरीके से विजेता और हारने वाले बनाते हैं जिसका अनुमान उनके निमार्ता भी अक्सर नहीं लगा पाते। यह अप्रत्याशितता ट्रम्प के अचानक फैसले बदलने की प्रवृत्ति से और बढ़ जाती है। व्यापारिक साझेदारों, विदेशी निवेशकों और यहां तक कि घरेलू उद्योगों ने भी उनकी घोषणाओं को सावधानी से लेना सीख लिया है, यह जानते हुए कि आज का 'दृढ़ रुख' कल का 'मेज पर सौदा' हो सकता है।

कुछ खास...

ऑपरेशन सिंदूर मनोरंजन के मंच पर

कौन बनेगा करोड़पति यानी केबीसी के 17 वें सीजन का आगाज हो चुका है। 15 अगस्त को आने वाले केबीसी के एपिसोड में भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी, विंग कमांडर व्योमिका सिंह और ले. कमांडर प्रेरणा देवस्थली को बतौर खास मेहमान बुलाया गया है। थल सेना, वायु सेना और नौसेना की तीनों अधिकारियों को हाल ही में सामने आए एक प्रोमो में शो के मेजबान अमिताभ बच्चन के साथ देखा गया, जहां वे ऑपरेशन सिंदूर जैसे अहम सैन्य मिशन के अनुभव साझा कर रही हैं। अपनी सत्ता बचाने के लिए भारत की कोई निर्वाचित सरकार कितने निम्न स्तर पर भी गिर सकती है, यह उसकी ताजा मिसाल है। मोदी सरकार में पहली बार ऐसा नहीं हुआ है। पहले भी राजनैतिक शिष्टाचार, कूटनीति, सौहार्द्र आदि को धता बताकर श्रीमान मोदी ने कई ऐसे फैसले लिए या कार्य किए जिन पर विवाद उठे हैं। संसद में किसी महिला सांसद के लिए शूर्पणखा का संबोधन, पूर्व प्रधानमंत्री के लिए रेनकोट पहनकर नहाने जैसी मिसालें, विदेश जाकर यह कहना कि न जाने कौन से जन्म का पाप है कि भारत में पैदा होना पड़ा, विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से जबरदस्ती गले मिलना, पीठ थपथपाना, हाथ पकड़ना, बराक ओबामा को श्री ओबामा न कहकर सीधे बराक कहना, डोनाल्ड ट्रंप के लिए अमेरिका जाकर प्रचार कर लेना, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बैठकर जबरन की भावुकता दिखाना या अपनी गरीबी का रोना रोना, ऐसे न जाने कितने कारनामे 11 सालों में देश ने देखे हैं। ऐसी हर (दुरू) घटना के बाद लगता कि अब इससे नीचे तो सरकार नहीं गिरेगी, लेकिन नरेन्द्र मोदी हैरान करने का कोई अवसर नहीं छोड़ते हैं। 22 अप्रैल को हुआ पहलगाम हमला इस देश को मिला ऐसा जख्म है जिसके घाव भरने की जगह बार-बार उसे कुरेद कर नमक छिड़का जा रहा है। 26 नवंबर को मुंबई या 13 दिसंबर को संसद पर किए गए आतंकी हमलों समेत कई आतंकवादी घटनाएं देश में हुई हैं। जिन पर सरकारों को घेरा गया और सवाल भी उठे। कई हमलों में दोषियों को मारा गया, फांसी की सजा मिली या उन पर शिकंजा कसा गया। लेकिन कभी इस तरह पीड़ितों को मोहरा बनाकर राजनीति का शतरंज नहीं खेला गया। 6 और 7 मई की आधी रात को जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू हुआ, और चंद घंटों में पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की खबर आई तो इस पर पूरे देश को संतोष हुआ कि एक बड़ी जवाबी कार्रवाई की गई है। लेकिन फिर इसमें न जाने कहां से डोनाल्ड ट्रंप आ गए, जिन्होंने दावा किया कि अब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम हो गया है, क्योंकि मैंने दोनों देशों के नेताओं से कहा है कि हमें व्यापार करना है, इसलिए युद्ध बंद करो। अब तक शायद 35-36 बार ट्रंप यही दावा दोहरा चुके हैं और मई से लेकर अगस्त आधा निकलने तक नरेन्द्र मोदी ने ट्रंप का नाम लेकर एक बार भी यह नहीं कहा कि यह दावा बेबुनियाद है और ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। विपक्ष ने नरेन्द्र मोदी से संसद में भी यही मांग की कि आप एक बार ऐसा कह दीजिए, लेकिन मोदीजी मुंह पर ऊंगली रखकर बैठे हुए हैं। उन्हें ऑपरेशन सिंदूर पर जब भी बात करनी होती है, वे वीर रस की धाराएं बरसाने लगते हैं।

भारत दुनिया को और खास तौर से पश्चिम को उपदेश पिला रहा था। यह सब मिलकर सत्तातंत्र के विरोधाभास के दो ध्रुवों का पहला ध्रुव बनाता है। दूसरा ध्रुव तब उभरता है जब जी-20 शिखर सम्मेलन में अमेरिका, कनाडा और दबे रूप से ब्रिटेन के साथ रिश्तों में खटास उभरती है। सिख अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर और गुरपतवंत सिंह पन्नू मसले की छाया उभरी, लेकिन ट्रूडो के कनाडा को छोड़ किसी ने कोई हंगामा नहीं खड़ा किया। पहला झटका लगा, जब तत्कालीन अमेरिकी राजदूत एरिक गासेटी ने घोषणा की कि बाइडेन को नई दिल्ली में जनवरी में होने वाले क्वाड शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया गया है और गणतंत्र दिवस की परेड में मुख्य अतिथि बनने का भी न्यौता दिया गया है। उन्होंने इसे रद्द कर दिया, तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने हमें शर्मिंदगी से बचा लिया।

दिशा पाटनी ने शेयर कीं बोल्ड तस्वीरें

अदाएं देख बढ़ी फैंस के दिलों की धड़कनें

बॉलीवुड की ग्लैमरस एक्ट्रेस दिशा पाटनी एक बार फिर अपनी नई तस्वीरों के चलते सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गई हैं। फिल्मों से ज्यादा दिशा अपने हॉट लुक्स और स्टाइलिश फोटोशूट्स के लिए जानी जाती है। 13 अगस्त की रात दिशा पाटनी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कीं, जिन्होंने तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस वह ब्लैक एंड व्हाइट थीम में नजर आ रही हैं। दिशा ने ब्रालेट और लॉन्ग स्कर्ट पहनी है और उनका स्टाइल काफी बोल्ड दिखाई दे रहा है। एक तस्वीर में दिशा स्कर्ट को हल्का नीचे की ओर खिसकाते हुए पोज दे रही हैं, जिससे उनका कर्वी फिगर साफ नजर आ रहा है। इस लुक में एक्ट्रेस बेहद बोल्ड लग रही है। दिशा के इस फोटोशूट ने फैंस के दिल की धड़कनें तेज कर दी हैं। फैंस जमकर इन तस्वीरों को लाइक कर रहे हैं और कमेंट कर रहे हैं। काम की बात करें तो दिशा पाटनी को हाल ही में साउथ सुपरस्टार सूर्या के साथ फिल्म कंगुवा में देखा गया था।

काइली और बेला हदीद संग हैली बीबर की आउटिंग, लेटेस्ट तस्वीरों में किलर फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं हसीनाएं

पॉप स्टार जस्टिन बीबर की पत्नी हैली बीबर अपने लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हाल ही में हैली को अपनी दोस्तों के साथ शाम बिताते हुए देखा गया। इस दौरान हैली के साथ काइली जेनर और बेला हदीद भी थीं। लुक की बात करें तो हेली ब्लैक एंड व्हाइट पोल्का-डॉट ड्रेस में अपना किलर फिगर फ्लॉन्ट करती दिखीं। हैली रेस्तरां पहुंचते समय काइली का हाथ थामे मुस्कुरा रही थीं। जस्टिन की वेडिंग रिंग उनके बाएं हाथ में बाकी एक्सेसरीज के साथ चमक रही थी। मिनिमल मेकअप और शेड्स हेली के लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। वहीं बेला ने अपने सुपरमॉडल फिगर को एक टाइट-फिटिंग ब्लैक कॉकटेल ड्रेस में सजाया, जिसमें स्क्वायर नेकलाइन थी और जिसकी हेमलाइन घुटनों से थोड़ी नीचे तक थी। अपने नए ब्लॉन्ड बालों को सलीके से अपडू में बांधकर, उन्होंने लुक को एक कफ ब्रेसलेट के साथ पूरा किया, जो उनकी एक बांह पर बीच तक पहना हुआ था। दूसरी ओर काइली पूरी तरह से एक बोल्ड अंदाज में नजर आईं। उन्होंने एक पीकाबू ब्लैक ड्रेस पहनी थी जिसमें उनका क्लीवेज और टोंड मिडरिफ साफ झलक रहा था। फैंस हसीनाओं की ये तस्वीरें काफी पसंद कर रहे हैं।

हैप्पी बर्थडे मम्मा... मां श्रीदेवी को याद कर भावुक हुईं जाह्नवी कपूर, शेयर की बचपन की क्यूट फोटोज

13 अगस्त को दिवंगत एक्ट्रेस श्रीदेवी की 62वां बर्थ एनिवर्सरी थी। श्रीदेवी को इस दुनिया से गए हुए काफी साल हो गए हैं लेकिन ऐसा एक पल नहीं जाता है जब उनका परिवार उन्हें याद नहीं करता है। वहीं अब उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर श्रीदेवी की बड़ी बेटी जाह्नवी कपूर ने कुछ अनदेखी तस्वीरें शेयर की हैं। उन्होंने ये फोटोज शेयर करते हुए अपनी मां को याद किया है। जाह्नवी ने मां के साथ बचपन की कुछ अनदेखी फोटोज शेयर की हैं जिसमें श्रीदेवी छोटी जाह्नवी को गोद में लिए नजर आ रही हैं। जाह्नवी ने फोटोज शेयर करते हुए लिखा- हैप्पी बर्थडे मम्मा, हर कदम पर आपका नाम मेरे दिल में रहेगा।जाह्नवी का ये पोस्ट खूब वायरल हो रहा है। बता दें कि जाह्नवी हर साल की तरह इस बार भी मां के बर्थडे पर तिरुपति मंदिर गईं थीं। इस बार उनके साथ परम सुंदरी को-स्टार सिद्धार्थ मल्होत्रा थे।

भारत का पहला एआई रॉक बैंड त्रिलोक और सुनो के बीच साझेदारी, 2025 के अंत तक नया संगीत

कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क ने अपने एआई बैंड त्रिलोक और दुनिया के प्रमुख एआई म्यूजिक प्लेटफॉर्म सुनो के बीच एक नई साझेदारी की घोषणा की है। इस सहयोग के तहत त्रिलोक सुनो के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी कार्य करेगा। यह साझेदारी त्रिलोक की रचनात्मक दिशा और मौलिक रचनाओं को सुनो के विकसित म्यूजिक-प्रोडक्शन साधन के साथ जोड़ती है, जिससे संगीत की रचना, निर्माण और उच्च गुणवत्ता संभव होगी। अपनी शुरूआत से, त्रिलोक ने ऐसा संगीत पेश किया है जो भक्ति-आधारित विषय को समकालीन धुनों के साथ मिलाता है, पारंपरिक कहानियों और सुरों को नए श्रोताओं तक पहुंचाता है। सुनो के साथ साझेदारी इस सफर में नई संभावनाओं के द्वार खोलती है। अंतरराष्ट्रीय म्यूजिक-टेक जगत में सुनो की मजबूत मौजूदगी त्रिलोक की धुनों को भारत से कहीं आगे, दुनिया भर के श्रोताओं तक ले जाएगी। वहीं, कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क का भारत के संगीत और सांस्कृतिक जगत में गहरा समूह एआई-आधारित संगीत को देश में और अधिक श्रोताओं और दिलों तक पहुंचाने में मदद करेगा।कलेक्टिव आर्टिस्ट्स नेटवर्क के संस्थापक और समूह सीईओ विजय सुब्रमणियम ने कहा, त्रिलोक एक छोटे से प्रयोग के रूप में शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य परंपरा और तकनीक को जोड़ना था, और यह आज उससे कहीं आगे बढ़ चुका है। सुनो के साथ साझेदारी इस यात्रा को एक नए मुकाम पर ले जा रही है, जिससे हमारा संगीत वैश्विक दर्शकों तक पहुंचेगा। यह सहयोग मेरे लिए गर्व की बात हैकृएक ऐसा प्रयास जो संगीत की आत्मा को बरकरार रखते हुए दुनिया भर के लोगों को इससे जोड़ने के नए रास्ते खोलता है। सुनो के चीफ म्यूजिक ऑफिसर पॉल सिनक्लेयर ने कहा, हम दुनिया भर के संगीतकारों के साथ काम करने के लिए सौभाग्यशाली हैं, ताकि उनके दृष्टिकोण औरकल्पना को हकीकत में बदला जा सके। त्रिलोक नए रचनात्मक साधन का इस्तेमाल करके संगीत की कहानी कहने को रोमांचक दिशा में आगे बढ़ा रहा है, जहां विरासत और नवाचार का संगम पहले कभी संभव नहीं था। साथ ही, वे कलाकार और श्रोताओं के बीच एक सच्चा रिश्ता बना रहे हैं, जिससे सहयोग के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। सुनो के साथ त्रिलोक की पहली रिलीज 2025 के अंत में आने वाली है।

आवारा कुत्ते और रेबीज का खतरा, एक लापरवाही पड़ सकती है जिंदगी पर भारी; डॉक्टर से जानिए जरूरी बातें

आवारा कुत्तों के काटने के मामले देश में हाल के महीनों में काफी बढ़े हैं। आवारा कुत्तों को पकड़कर शेल्टर होम रखने पर गुरुवार (14 अगस्त) को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है।

रेबीज एक घातक वायरस है जो संक्रमित जानवरों की लार से लोगों में फैलता है। रेबीज के कारण मृत्युदर 100 फीसदी के करीब रहता है, मतलब अगर किसी को रेबीज हो जाए तो इसका इलाज लगभग असंभव हो जाता है।

आवारा कुत्तों से जुड़ा मुद्दा इन दिनों सुर्खियों में है। 11 अगस्त को एक सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि दिल्ली-एनसीआर के आवारा कुत्तों को पकड़कर स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखा जाए और उन्हें दोबारा सड़कों पर न छोड़ा जाए। यह आदेश कुत्तों के काटने के बढ़ते मामले और जानलेवा रेबीज संक्रमण से होने वाली मौतों को देखते हुए दिया गया था। गुरुवार (14 अगस्त) को इसी मामले को लेकर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखा है।गौरतलब है कि आवारा कुत्तों के काटने के मामले देश में हाल के महीनों में काफी तेजी से बढ़े हैं। इसी तरह के एक मामले में उत्तर प्रदेश के राज्य स्तरीय कबड्डी खिलाड़ी बृजेश सोलंकी (22) की हाल ही में कथित तौर पर रेबीज से मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्हें कुत्ते ने काट लिया था, हालांकि इस घटना के बाद किन्हीं कारणों के चलते उन्हें एंटी-रेबीज इंजेक्शन नहीं लग पाया था। इस वजह से बीमारी के लक्षण तेजी से बढ़ने लगे जिससे उनकी मौत हो गई।इस तरह के मामले अक्सर आप भी सोशल मीडिया पर वायरल होते देखते रहे होंगे। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, रेबीज एक घातक वायरल बीमारी है जिसके शिकार लोगों की जान बचा पाना लगभग मुश्किल होता है।एक अनुमान के मुताबिक रेबीज के कारण दुनियाभर में हर साल 59,000 लोगों की मौत होती है। हालांकि रेबीज को टीकाकरण और संक्रमित जानवरों के काटने के बाद इलाज के जरिए रोका जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में आवारा कुत्तों के मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि हमने ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती एक व्यक्ति की मेडिकल रिपोर्ट जमा की है, इंसान परेशान हैं। हर 24 लोगों पर एक आवारा कुत्ता है।साल 2024 के आंकड़ों पर नजर डालें तो पता चलता है कि इस साल अकेले देशभर में कुत्तों के काटने के 37 लाख से ज्यादा मामले रिपोर्ट किए गए, इनमें से करीब 54 लोगों की संदिग्ध रूप से रेबीज के कारण मौत हो गई। इतना ही नहीं अकेले जनवरी 2025 में ही महाराष्ट्र-गुजरात में कुत्तों के काटने के 50 हजार से ज्यादा मामले रिपोर्ट किए गए।

क्यों इतना खतरनाक माना जाता है रेबीज?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, रेबीज एक घातक वायरस है जो संक्रमित जानवरों की लार से लोगों में फैलता है। सबसे गंभीर बात ये है कि एक बार जब किसी व्यक्ति में रेबीज के लक्षण दिखने लगते हैं, तो यहां से जान बचा पाना लगभग कठिन हो जाता है। यही कारण है कि जिन लोगों को रेबीज होने का खतरा हो सकता है (जैसे कुत्ते और अन्य जानवरों के संपर्क में रहने वाले लोग) उन्हें सुरक्षात्मक रूप से रेबीज के टीके लगवाने की सलाह दी जाती है।रेबीज के कारण मृत्युदर 100 फीसदी के करीब रहता है, मतलब अगर किसी को रेबीज हो जाए तो इसका इलाज लगभग असंभव हो जाता है। रेबीज के कारण रोगियों को हाइड्रोफोबिया होने का खतरा अधिक रहता है, जिसमें व्यक्ति को पानी

से डर लगने लगता है, इसके अलावा कुछ भी खाने में दिक्कत होने लगती है।

सिर्फ कुत्ते ही नहीं अन्य जानवरों भी हो सकता है रेबीज

स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ अनुज कुमार बताते हैं, रेबीज को सिर्फ कुत्तों के काटने से होने वाली समस्या माना जाता रहा है, हालांकि बिल्ली- बंदरों के काटने, चमगादड़, लोमड़ी और रैकून के कारण भी इसका संक्रमण फैल सकता है। इन जानवरों से भी बचाव करते रहना जरूरी है। अगर आप जानवर पालते हैं या किसी ऐसे इलाके में रहते हैं जहां पहले किसी को रेबीज हो चुका है तो इसके लिए प्री-एक्सपोजर वैक्सीन लगवानी चाहिए। ये पहले डोज के बाद सातवे, 21वें और 28वें दिन लगाई जाती है। वहीं अगर आपको किसी रेबीज संभावित जानवर ने काट लिया है तो खास ध्यान देना चाहिए, इसके लिए वैक्सीन की पांच खुराक दी जाती है।

पालतू कुत्तों को भी लगवाएं वैक्सीन

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिन लोगों के घरों में पालतू कुत्ते हैं, उन्हें पशु चिकित्सकों की सलाह पर जानवर को टीके लगवाने चाहिए ताकि वह रेबीज संक्रमित न हों और उनसे आपको या आसपास के लोगों को कोई खतरा न हो।

पालतू कुत्तों को दिए जाने वाले मुख्य टीके डीएचपीपी (जिसे डीए2पीपी या डीएपीपी भी कहा जाता है) और रेबीज के टीके हैं। डीएचपीपी की टीके कुत्तों को डिस्टेंपर, एडेनोवायरस, पैराइन्फ्लुएंजा जैसे रोगों से सुरक्षा प्रदान करता है।

वहीं रेबीज का टीका जन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो कुत्तों को रेबीज से बचाता है और इससे उनके आसपास रहने वाले लोग भी सुरक्षित होते हैं। डॉ अनुज बताते हैं सावधानी और सतर्कता बेहद जरूरी है। यदि किसी ऐसे जानवर के संपर्क में आएं तो जितनी जल्दी हो एंटी-रेबीज वैक्सीन ले लेनी चाहिए। रेबीज को लेकर कुछ तथ्य है जो हम सभी को जानना चाहिए।

रेबीज सिर्फ कुत्तों के काटने से नहीं बल्कि बिल्ली, बंदरों इत्यादि से भी हो सकता है।

जानवरों के काटने के अलावा नोचने से भी खतरा रहता है।

कुत्ते काटने के बाद आमतौर पर वैक्सीन की कोई समय सीमा नहीं है। मतलब अगर किसी कारणवश 24 घंटे के अंदर टीके नहीं लगवा पाए तो बाद में भी लगवा सकते।

सबसे जरूरी है कि रेबीज के लक्षण दिखने से पहले टीके लग जाने चाहिए। हालांकि प्रयास करना चाहिए कि टीके जल्द से जल्द लग जाएं।

रेबीज के लक्षण आने का समय लोगों में अलग-अलग हो सकता है। ये कुछ लोगों को 4 दिन में तो कुछ में इसके लक्षण आने में 25 वर्ष भी लग सकते हैं।

रेबीज लाइलाज बीमारी है। वैक्सीन ही इससे बचाव का उपाय है। मरीज में अगर रेबीज के लक्षण आ जाएं तो मृत्यु दर 100 फीसदी तक मानी जाती है।

महिलाओं में क्यों अधिक होती है आयरन की भूमिका, इसकी कमी होने पर आहार में क्या बदलाव करने चाहिए?

शरीर के लिए आयरन सबसे महत्वपूर्ण खनिजों में से एक है, खासकर महिलाओं के लिए। मासिक धर्म और गर्भावस्था के कारण उनमें अक्सर इसकी कमी हो जाती है जो एनीमिया का कारण बन सकती है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। आयरन शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण खनिज है, जिसका मुख्य काम हीमोग्लोबिन बनाना है। हीमोग्लोबिन लाल रक्त कोशिकाओं में मौजूद वह प्रोटीन है जो फेफड़ों से ऑक्सीजन को पूरे शरीर के अंगों तक पहुंचाता है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक आयरन की आवश्यकता होती है और यही वजह है कि उनमें इसकी कमी एक आम समस्या है। मासिक धर्म के दौरान हर महीने होने वाले रक्तस्राव के कारण महिलाओं में आयरन की मात्रा कम हो जाती है। इसके अलावा गर्भावस्था और बच्चे के जन्म के समय भी शरीर को अतिरिक्त आयरन की जरूरत होती है ताकि मां और बच्चे दोनों का स्वास्थ्य ठीक रहे। आयरन की कमी से एनीमिया हो सकता है जो महिलाओं में

बहुत ज्यादा देखने को मिलता है। इसलिए आइए इस लेख में जानते हैं कि आयरन की कमी के मुख्य लक्षण क्या होते हैं साथ ही ये भी जानेंगे कि महिलाओं को आयरन की कमी दूर करने के लिए किन चीजों को शामिल करना चाहिए। **आयरन की कमी के मुख्य लक्षण :** शरीर में आयरन की कमी होने पर कुछ सामान्य लक्षण दिखाई देने लगते हैं, जिन्हें अक्सर थकान समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है। सबसे आम लक्षण है लगातार थकान और कमजोरी महसूस होना, क्योंकि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाता। इसके अलावा त्वचा का पीला पड़ना, सांस लेने में तकलीफ, चक्कर आना और सिरदर्द भी इसके लक्षण हैं। आयरन की कमी से हाथ और पैर ठंडे होने लगते हैं, नाखून नाजुक होकर टूटने लगते हैं, और बालों का झड़ना भी बढ़ जाता है। इन लक्षणों को नजरअंदाज करना सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। यदि आप ऐसे लक्षण महसूस करते हैं तो आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए।

आहार में करें ये बदलाव : अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो सबसे पहले अपने आहार में बदलाव करना जरूरी है। शाकाहारी लोगों के लिए आयरन से भरपूर कई विकल्प मौजूद हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक और मेथी आयरन के बहुत अच्छे स्रोत हैं। इसके अलावा, दालें (जैसे मसूर दाल), चना और राजमा को भी अपनी डाइट में शामिल करें। सूखे मेवे जैसे किशमिश और खजूर, और बीज जैसे कद्दू के बीज और तिल भी आयरन से भरपूर होते हैं।

इस बात विशेष ध्यान रखें

सबसे खास बात आयरन युक्त खाद्य पदार्थों के साथ विटामिन-सी वाले फल जैसे संतरा, नींबू या अमरूद का सेवन करने से आयरन का अवशोषण बेहतर होता है। गुड़ और तिल के लड्डू जैसी चीजें भी आयरन को प्राकृतिक रूप से बढ़ाने में मदद कर सकती हैं। इसके अलावा कुछ ऐसी चीजों से बचना चाहिए जो आयरन के अवशोषण को कम करती हैं, जैसे कि खाने के तुरंत बाद चाय या कॉफी न पीएं।

क्या करें? : महिलाओं के लिए आयरन का महत्व बहुत ज्यादा है और इसकी कमी से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। एक संतुलित और आयरन से भरपूर आहार इस कमी को पूरा करने का सबसे अच्छा तरीका है। यदि आपको लगता है कि आपके शरीर में आयरन की कमी है, तो खुद से दवा लेने के बजाय किसी डॉक्टर या पोषण विशेषज्ञ से सलाह लें। वे आपकी सेहत के अनुसार सही डाइट और सप्लीमेंट्स की सलाह दे सकते हैं, जिससे आप स्वस्थ जीवन जी सकें।

एशिया कप में भारत के खिलाफ मैच से घबराया पाकिस्तान; मांगी रहम की भीख

'प्लीज...हमारे साथ मत खेलो'

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज बासित अली का मानना है कि भारत के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान की हार तय है। द गेम प्लान (यूट्यूब चैनल) पर बात करते हुए बासित अली ने कहा, 'मैं प्रार्थना करता हूं कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दे।एशिया कप 2025 की शुरूआत में लगभग एक महीने का वक्त शेष है। भारत और पाकिस्तान के बीच 14 सितंबर को महामुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले तमाम प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। एक तरफ भारतीय प्रशंसक मांग कर रहे हैं कि भारत को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से इनकार कर देना चाहिए। वहीं, दूसरी तरफ पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज बासित अली भारत के खिलाफ मैच से पूरी तरह डर गए हैं। उन्होंने पाकिस्तानी टीम के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए भारतीय टीम से अपील की है कि वह उनकी टीम के खिलाफ मैच से इनकार कर दें।बासित अली ने यह मांग पाकिस्तान की हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ करारी हार के बाद की। दरअसल, वेस्टइंडीज ने मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम को तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-1 से रौंद दिया था। यह वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर 33 साल में पहली जीत थी। अब पूर्व बल्लेबाज बासित अली का मानना है कि भारत के खिलाफ एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान की हार तय है। द गेम प्लान (यूट्यूब चैनल) पर बात करते हुए बासित अली ने कहा, 'मैं प्रार्थना करता हूं कि भारत एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दे, जैसा उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में किया था। इतनी बुरी तरह मारेंगे ना वो जितना आप सोच भी नहीं सकते।'भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान के खिलाफ दबदबे वाला रिकॉर्ड रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए 13 मैचों में से भारत ने 10 में जीत हासिल की है। टी20 विश्व कप 2024 के दौरान दोनों टीमों के बीच हुए आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान 120 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा था और छह रनों से हार गया था। वहीं, भारत एशिया कप का गत विजेता है जिसने 2023 में कम स्कोर वाले फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को हराकर पिछला संस्करण जीता था।एशिया कप में भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में रखा जाएगा, जहां दोनों एक बार भिड़ेंगी। इसके बाद सुपर फोर चरण में एक-दूसरे के खिलाफ एक और मुकाबला खेलने का मौका मिलेगा।

अगर दोनों टीमें फाइनल में पहुंचती हैं तो उनके बीच तीसरी मुकाबला भी खेला जा सकता है।बीसीसीआई इस टूनार्मेंट का मेजबान है। टूनार्मेंट का आयोजन संयुक्त अरब अमीरात में इसलिए हो रहा है, क्योंकि भारत और पाकिस्तान के बीच मौजूदा तनाव के कारण दोनों देशों ने 2027 तक केवल तटस्थ स्थानों पर ही मैच खेलने पर आपसी सहमति जताई है।

एसए20 में टीमों के पास 84 स्थान रिक्त, नीलामी में घरेलू खिलाड़ियों के महत्व को लेकर बोले क्रिस मॉरिस

एजेंसी

नई दिल्ली। मॉरिस ने 'सुपरस्पोर्ट' से नीलामी पर बात करते हुए कहा, 'नीलामी दिसंबर से शुरू होगा और नीलामी नौ सितंबर को जोहानिसबर्ग में होगी।मॉरिस ने 'सुपरस्पोर्ट' से नीलामी पर बात करते हुए

हमेशा रोमांचक होती है, चाहे कोई भी टूनार्मेंट हो, लेकिन यह एसए20 की बड़ी नीलामी है।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व हरफनमौला क्रिस मॉरिस को लगता है कि एसए20 के चौथे सत्र के लिए नौ सितंबर को होने वाली खिलाड़ियों के नीलामी में घरेलू क्रिकेटरों को अच्छे मौके मिलने की संभावना है। एसए20 का आगामी सत्र इस साल 26 कहा, 'नीलामी हमेशा रोमांचक होती है, चाहे कोई भी टूनार्मेंट हो, लेकिन यह एसए20 की बड़ी नीलामी है। कई खिलाड़ियों को रिटेन किया गया है और कई वाइल्ड कार्ड खिलाड़ियों को चुना गया है।' छह फ्रेंचाइजी के पास अपनी 19 खिलाड़ियों वाली टीमों को पूरा करने के लिए 84 स्थान भरने है जिसके लिए उनके पास कुल मिलाकर 74 लाख अमेरिकी डॉलर की राशि होगी। इससे यह 2022 में लीग की शुरूआत के बाद से सबसे बड़ी एसए20 नीलामी बन जाएगी।उन्होंने कहा, 'कुछ टीमों के पास खर्च करने के लिए काफी पैसा है जबकि कुछ टीमों ने अपनी आधी टीमें पहले ही भर ली हैं जिससे उनके पास ज्यादा पैसा नहीं बचा है। इसका मतलब है कि वित्तीय स्थिति को देखते हुए इस सत्र में कई घरेलू खिलाड़ियों को मौके मिलने की संभावना है।' इस साल की नीलामी में बड़े नामों की बात करते हुए मॉरिस ने कहा कि एडेन मारक्रम मुख्य आकर्षणों में से एक होंगे जिन्हें उनकी टीम ने रिटेन नहीं किया है। उन्होंने साथ ही कहा कि युवा खिलाड़ी डेवाल्ड ब्रेविस और क्वेन मफाका भी अच्छी कीमत हासिल सकते हैं।स्थानीय और विदेशी खिलाड़ियों के पंजीकरण की अंतिम तारीख 18 अगस्त है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि क्वेना मफाका बोली लगाने की होड़ के केंद्र में होंगे। डेवाल्ड ब्रेविस एक और नाम हैं क्योंकि उन्हें रिटेन नहीं किया गया है। रासी वान डर डुसेन भी अपने अनुभव की बदौलत अच्छी कीमत में बिक सकते हैं।' रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची में निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, सुनील नरेन और इंग्लैंड के जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो जैसे खिलाड़ी शामिल हैं।

जुलाई 2025 महीने में थोक महंगाई दर दो साल के निचले स्तर पर, जानिए क्या कहते हैं सरकार के आंकड़े

एजेंसी

नई दिल्ली। हढक्क जुलाई महीने में थोक महंगाई दर (-) 0.58 प्रतिशत पर पहुंच गई। जून महीने में यह (-) 0.13 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई। जुलाई महीने में थोक महंगाई दर दो साल के निचले स्तर -0.58% पर रही। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।जुलाई महीने में थोक महंगाई दर (-) 0.58 प्रतिशत पर पहुंच गई। जून महीने में यह (-) 0.13 प्रतिशत थी। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों में इसकी पुष्टि हुई। जुलाई महीने में थोक महंगाई दर दो साल के निचले स्तर -0.58% पर रही। सरकार ने बताया है कि मुद्रास्फीति की नकारात्मक दर खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मूल धातुओं के विनिर्माण आदि की कीमतों में कमी के कारण है। **क्या है थोक मूल्य सूचकांक?** जून में, थोक मुद्रास्फीति 20 महीने के निचले स्तर -0.13% पर आ गई। मई में थोक मूल्य सूचकांक (हढक) 14 महीने के निचले स्तर 0.39% पर आ गया।

पीएसजी ने यूईएफए सुपर कप जीता, फाइनल में पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। पीएसजी ने इस साल चैंपियंस लीग,लीग 1 और कूप डी फ्रांस का तिहरा खिताब जीता था। उसने जनवरी में ट्रॉफी डेस चैंपियंस भी जीता था।चैंपियंस लीग के चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने अपना स्वप्निल अभियान जारी रखते हुए बुधवार को पेनल्टी शूटआउट में टॉटेनहैम को हराकर यूईएफए सुपर कप जीत लिया। यह फ्रांस के इस फुटबॉल क्लब की इस साल में पांचवी ट्रॉफी है।नूनो मेंडेस ने शूटआउट में निर्णायक स्पॉट किक को गोल में बदलकर पीएसजी की शानदार वापसी को अंजाम तक पहुंचा। पीएसजी की जीत एक समय असंभव लग रही थी क्योंकि चैंपियंस लीग और यूरोपा लीग के विजेताओं के बीच खेले गए इस वार्षिक मैच में टॉटेनहैम निर्धारित समय के 85वें मिनट तक 2-0 से आगे चल रहा था।ली कांग-इन ने निचले कोने में जोरदार शॉट लगाकर पीएसजी के लिए पहला गोल किया जबकि उनके साथी खिलाड़ी गोंकालो रामोस ने इंजरी टाइम के चौथे मिनट में बराबरी का गोल दागकर उडीन के स्टेडियो फ्रीउली में खेले गए इस रोमांचक मैच में स्कोर 2-2 कर दिया।पेनल्टी शूटआउट में पीएसजी के लिए विटिना पहले प्रयास में चूक गए। इसके बाद टॉटेनहैम शूटआउट में 2-0 की बढ़त बनाकर फिर से उलटफेर करने की स्थिति में आ गया। लेकिन उसके खिलाड़ी मिकी वैन डे वेन और मैथिस टेल पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए जबकि पीएसजी ने लगातार चार पेनल्टी गोल में बदली।पीएसजी ने इस साल चैंपियंस लीग,लीग 1 और कूप डी फ्रांस का तिहरा खिताब जीता था। उसने जनवरी में ट्रॉफी डेस चैंपियंस भी जीता था।

गुकेश ने कारुआना को हराकर चौथा स्थान हासिल किया, अभी 18 ब्लिट्ज गेम बाकी

एजेंसी

नई दिल्ली। इस टूनार्मेंट की पुरस्कार राशि 1,75,000 अमेरिकी डॉलर है और इसमें अभी 18 ब्लिट्ज गेम खेले जाने बाकी हैं।विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने

अमेरिका के लीनियर डोमिन्गुएज पेरेज से मिली हार से उबरते हुए वेस्ली सो और फैबियानो कारूआना की अमेरिकी जोड़ी को हराकर यहां ग्रैंड शतरंज टूर के सेंट लुई रैपिड एंड ब्लिट्ज के रैपिड वर्ग में चौथा स्थान हासिल किया।यह लगातार तीसरा दिन था जब गुकेश ने हार के साथ शुरूआत की लेकिन इसके बावजूद वह चौथा स्थान हासिल करने में सफल रहे।

लिएंडर के पिता वेस पेस का 80 साल की उम्र में निधन, 1972 ओलंपिक में हॉकी में जीता था कांस्य पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। वेस पेस का भारतीय खेलों के साथ लंबा जुड़ाव रहा है। उनकी

देखरेख में कई खिलाड़ियों को अलग-अलग खेलों में डेब्यू का मौका मिला। वेस ने भारतीय खेलों के लिए काफी कुछ किया।1972 में म्यूनिख ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य और टेनिस खिलाड़ी लिएंडर पेस के पिता वेस पेस का 80 वर्ष की आयु में निधन हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वेस पेस पार्किंसन रोग से पीड़ित थे। उन्हें मंगलवार सुबह शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।वेस पेस का भारतीय खेलों के साथ लंबा जुड़ाव रहा है।

बीएसएनएल के नेटवर्क को बढ़ाने के लिए सरकार बना रही योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। इरठछः बीएसएनएल ने पिछले साल 4जी मोबाइल सेवाओं के लिए एक लाख टावर लगाने पर 25,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दूरसंचार विभाग ने केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के हवाले से कहा, "बीएसएनएल के लिए हमारे पास लगभग 47,000 करोड़ रुपये की एक और पूंजीगत व्यय योजना है। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।सरकार बीएसएनएल के नेटवर्क को बढ़ावा देने के लिए 47,000 करोड़ रुपये की अतिरिक्त पूंजीगत व्यय योजना के साथ तैयार है। दूरसंचार विभाग (ऊढळ) ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बीएसएनएल ने पिछले साल 4जी मोबाइल सेवाओं के लिए एक लाख टावर लगाने पर 25,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। दूरसंचार विभाग ने केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के हवाले से कहा, "बीएसएनएल के लिए हमारे पास लगभग 47,000 करोड़ रुपये की एक और पूंजीगत व्यय योजना है।

राष्ट्रपति रामाफोसा ने पीएम मोदी को दिया न्योता, जल निवेश परिषद पर होगी वैश्विक नेताओं की बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने पीएम मोदी और अन्य विश्व नेताओं को ग्लोबल आउटलुक काउंसिल ऑन वाटर इन्वेस्टमेंट्स में आमंत्रित किया। यह जी20 पहल जल निवेश को वैश्विक राजनीतिक और वित्तीय चचाओं के केंद्र में लाने पर केंद्रित है।दक्षिण अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य शीर्ष विश्व नेताओं का स्वागत करते हुए जल निवेश पर एक नई वैश्विक पहल की शुरूआत की है। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी और अन्य विश्व नेताओं को जल निवेश पर वैश्विक दृष्टिकोण परिषद के परिषद सदस्य के रूप में आमंत्रित किया, जो सभी के लिए सुरक्षित जल सुनिश्चित करने के लिए जी-20 की एक पहल है।रामाफोसा ने केप टाउन में अफ्रीका वाटर इन्वेस्टमेंट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि जल निवेश अब जलवायु और वित्तीय चचाओं में उपेक्षित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे केंद्र में लाना होगा। यह पहल जी20 के तहत शुरू किए गए ग्लोबल आउटलुक काउंसिल ऑन वाटर इन्वेस्टमेंट्स का हिस्सा है, जिसका लक्ष्य सभी के लिए सुरक्षित जल सुनिश्चित करना है।

जल निवेश को केंद्र में लाने की पहल

रामाफोसा ने केप टाउन में अफ्रीका वाटर इन्वेस्टमेंट समिट का उद्घाटन करते हुए कहा कि यह परिषद अफ्रीका वाटर इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम को वैश्विक स्तर पर विस्तार देगी। उन्होंने कहा, ह्लजल निवेश को न सिर्फ प्राथमिकता दी जाए, बल्कि इसे ट्रैक किया जाए और वित्तपोषित किया जाए।ह्व इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य जी20, संयुक्त राष्ट्र, बहुपक्षीय विकास बैंकों और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर जल निवेश की प्रगति को ट्रैक करना और वार्षिक रिपोर्ट जारी करना है।

विश्व नेताओं की भागीदारी

रामाफोसा ने परिषद के सदस्यों में पीएम मोदी के साथ ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शेनबाउम, सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के नाम घोषित किए। जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज, इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन और अफ्रीकी देशों के कई नेता भी इसमें शामिल हैं।

वित्तीय एजेंडे में जल का स्थान

सम्मेलन का उद्देश्य जल को उच्चतम वैश्विक राजनीतिक और वित्तीय एजेंडे में शामिल करना है, जिसमें जी20, कॉप30 और 2026 के संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन तक इसे प्राथमिकता देना शामिल है। सम्मेलन में एक घोषणा-पत्र भी पारित होगा, जिसमें जल क्षेत्र में निवेश बढ़ाने, सुशासन को मजबूत करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने का संकल्प होगा।

जल को विकास का साधन बनाना

रामाफोसा ने जोर देकर कहा कि जल को मानवाधिकार के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए और इसे किसी भी समुदाय, महिला या बच्चों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि हम एकजुट होकर काम करें तो जल केवल जीवन का साधन ही नहीं, बल्कि आर्थिक बदलाव, नवाचार और शांति का माध्यम भी बन सकता है।

'समानांतर सरकार गठन की कोशिश गलत, क्षेत्रीय शांति पर खतरा', सूडान संकट पर सुरक्षा परिषद

एजेंसी

नई दिल्ली। सूडान में जारी गृह युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आरएसएफ द्वारा कब्जे वाले इलाकों में समानांतर सरकार बनाने की योजना को खारिज कर दिया है। यूएनएससी ने इसे देश की अखंडता के लिए खतरा बताया और सभी देशों से बाहरी हस्तक्षेप से बचने की अपील की। सूडान में चल रहे गृह युद्ध के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत यूएनएससी ने सूडान के अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेस (आरएसएफ) द्वारा अपने कब्जे वाले क्षेत्रों में समानांतर सरकार बनाने की योजना को सख्ती से खारिज कर दिया है। बुधवार को जारी बयान में यूएनएससी ने कहा कि यह कदम देश की अखंडता और संप्रभुता के लिए खतरा है और इससे गृहयुद्ध और गहराने का खतरा है।इसको लेकर यूएनएससी ने एक कड़े बयान में कहा कि वह सूडान की संप्रभुता, स्वतंत्रता और एकता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। साथ ही परिषद ने चेताया कि आरएसएफ द्वारा घोषित समानांतर सरकार देश को बांट सकती है और पहले से ही खराब मानवीय हालात को और बदतर बना सकती है।यूएनएससी ने किसी देश का नाम लिए बिना सभी देशों से सूडान में किसी भी तरह की बाहरी हस्तक्षेप से बचने और शांति प्रयासों में सहयोग देने की अपील की। परिषद ने कोरडोफन क्षेत्र में हालिया हमलों की भी निंदा की, जिनमें भारी संख्या में नागरिकों की मौत हुई। साथ ही सूडान की सरकार ने पिछले महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर कोलंबिया से लड़ाके भेजने और आरएसएफ को समर्थन देने का आरोप लगाया है। हालांकि यूएई ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है।सूडान में जारी गृह युद्ध के चलते देशभर में भुखमरी का संकट तेजी से फैल रहा है। मामले में यूएन के प्रवक्ता स्टेफन दुजार्रिक ने बताया कि डारफुर और पड़ोसी कोरडोफन क्षेत्र में भुखमरी का खतरा तेजी से फैल रहा है। लोग जानवरों के चारे और खाने के कचरे पर जीने को मजबूर हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) ने अल-फशर में 2.5 लाख लोगों को डिजिटल कैश सहायता दी है लेकिन हालात बहुत गंभीर हैं।इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के अनुसार डारफुर में युद्ध अपराध हो रहे हैं। फ्त्रफ्फिलहाल उत्तर डारफुर के अल-फशर को छोड़कर सभी क्षेत्रीय राजधानियों पर नियंत्रण बनाए हुए है। वठरउ ने फ्त्र से अल-फशर की घेराबंदी हटाने की पुरानी मांग भी दोहराई।बता दें कि सूडान में अप्रैल 2023 से हिंसक संघर्ष जारी है, जब देश की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच पुरानी रंजिशें राजधानी खार्तूम से शुरू होकर पूरे देश में फैल गईं। इस संघर्ष में अब तक लगभग 40,000 लोगों की मौत हो गई। वहीं 1.3 करोड़ लोग बेघर हो चुके हैं और लाखों भुखमरी के कगार पर हैं।

किम जोंग उन की बहन ने खारिज किया दक्षिण कोरिया का दावा

कहा- सीमा से नहीं हटाए जा रहे लाउडस्पीकर

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया अपने कुछ लाउडस्पीकर हटा रहा है। इससे कुछ दिन पहले दक्षिण कोरिया ने भी सीमा पर लगे अपने लाउडस्पीकर हटा दिए थे। इस दावे को उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के दावों को खारिज कर दिया है। उत्तर कोरियाई तानाशाह की बहन किम यो जोंग ने दक्षिण कोरिया के दावों को खारिज कर दिया है। किम यो जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया अंतर-कोरियाई सीमा पर से कोई लाउडस्पीकर नहीं हटा रहा है। दक्षिण कोरिया की सेना ने दावा किया था कि उत्तर कोरिया अपने कुछ लाउडस्पीकर हटा रहा है। इससे कुछ दिन पहले दक्षिण कोरिया ने भी सीमा पर लगे अपने लाउडस्पीकर हटा दिए थे।किम यो जोंग ने कहा कि हमें अमेरिका और दक्षिण कोरिया के साथ लंबे समय से रुकी वार्ता दोबारा शुरू करने में कोई रुचि नहीं है। उन्होंने दक्षिण कोरिया और अमेरिका के संयुक्त सैन्य अभ्यास को उत्तर कोरिया के प्रति शत्रुता का प्रमाण बताया। किम ने दक्षिण कोरियाई सरकार पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उत्तर कोरियाई लोगों ने सीमा क्षेत्र में लगे लाउडस्पीकरों को नहीं हटाया है और न ही वे उन्हें हटाने के लिए तैयार हैं। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन के बाद उनकी बहन किम यो जोंग को बेहद ताकतवर माना जाता है। ऐसे में किम यो जोंग के बयान को उत्तर कोरियाई सरकार का आधिकारिक स्टैंड माना जा सकता है।इससे पहले दक्षिण कोरिया के नए उदारवादी राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने उत्तर कोरिया के कदम की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि कोरियाई देश धीरे-धीरे बातचीत और संचार को फिर से खोल सकेंगे। हालांकि किम यो जोंग के बयान को लेकर दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल ली सुंग जून ने कहा कि दक्षिण की सेना ने कुछ उत्तर कोरियाई लाउडस्पीकरों को हटाए जाने की पुष्टि की है। उन्होंने उत्तर कोरिया के बयानों से आसानी से प्रभावित न होने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा, हमेशा से ऐसा होता रहा है कि उत्तर कोरिया अक्सर ऐसे दावे करता है जो सच नहीं होते।किम यो जोंग ने कहा कि दक्षिण कोरियाई मीडिया कह रहा है कि उत्तर कोरिया रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच होने वाली बैठक के जरिये वॉशिंगटन को कड़ा संदेश दे सकता है। हमें अमेरिका को संदेश क्यों भेजना चाहिए? उत्तर कोरिया को अमेरिका के साथ बातचीत में कोई रुचि नहीं है। वहीं उत्तर कोरिया और रूस की सरकारी मीडिया ने बुधवार को कहा कि किम जोंग उन और पुतिन ने फोन पर बातचीत कर अपने गहरे होते संबंधों और यूक्रेन के खिलाफ युद्ध प्रयासों पर चर्चा की।किम यो जोंग ने जुलाई में भी बयान जारी कर उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करने के उद्देश्य से कूटनीति को फिर से शुरू करने की वाशिंगटन और सियोल की इच्छा को खारिज कर दिया था।

न्यू मैक्सिको के ग्रामीण इलाकों में आपातकाल लागू, अपराध-नशीली दवाओं की तस्करी रोकने के लिए फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। रियो अरिबा काउंटी क्षेत्र सांता फे से 40 किमी उत्तर में स्थित एस्पानोला शहर से लेकर कोलोराडो राज्य की सीमा तक फैला हुआ है। यहां लंबे समय से ओपिओइड के उपयोग और नशीली दवाओं के अधिक मात्रा में सेवन से होने वाली मृत्यु दर अधिक है। यहां अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में बेघर लोगों के लिए शिविर बनाए गए हैं।न्यू मैक्सिको के गर्वनर ने अपराध और नशीली दवाओं की तस्करी पर नकेल कसने के लिए कड़ा कदम उठाया है।

गर्वनर ने अमेरिका के प्यूब्लो समुदायों सहित उत्तरी न्यू मैक्सिको के एक हिस्से में आपातकाल घोषित कर दिया है। रियो अरिबा काउंटी में गर्वनर मिशेल लुजान ग्रिशाम के आपातकाल की घोषणा के बाद स्थानीय सरकारों और जनजातीय अधिकारियों ने हिंसक अपराध के साथ-साथ अवैध ड्रग्स से जुड़े अन्य अपराधों के खिलाफ सुदृढीकरण की मांग की और इसके लिए 750,000 अमेरिकी डॉलर उपलब्ध हो गए हैं। लुजान ग्रिशाम ने कहा कि आपराधिक गतिविधियों में बढ़ोतरी से बेघर होने, पारिवारिक अस्थिरता और घातक नशीली दवाओं की अधिक खुराक लेने की घटनाएं बढ़ी हैं। इससे स्थानीय सरकारों और पुलिस विभागों पर अत्यधिक दबाव पड़ा है। रियो अरिबा काउंटी क्षेत्र सांता फे से 40 किमी उत्तर में स्थित एस्पानोला शहर से लेकर कोलोराडो राज्य की सीमा तक फैला हुआ है। यहां लंबे समय से ओपिओइड के उपयोग और नशीली दवाओं के अधिक मात्रा में सेवन से होने वाली मृत्यु दर अधिक है। यहां अधिक आबादी वाले क्षेत्रों में बेघर लोगों के लिए शिविर बनाए गए हैं।

अप्रैल में अल्बुकर्क में घोषित किया था आपातकाल

इससे पहले अप्रैल में लुजान ग्रिशाम ने न्यू मैक्सिको के सबसे बड़े शहर अल्बुकर्क में आपातकाल की स्थिति घोषित करते हुए कहा था कि अल्बुकर्क में अपराध में उल्लेखनीय वृद्धि के कारण न्यू मैक्सिको नेशनल गार्ड की मदद की आवश्यकता है। हालांकि रियो अरिबा काउंटी में तत्काल सैन्य तैनाती के लिए कोई आह्वान नहीं किया गया है। जबकि नई आपातकालीन घोषणा के तहत अधिकारियों को नेशनल गार्ड को बुलाने की अनुमति दी गई है।

सांता क्लारा के जनजातीय गर्वनर ने की थी अपील

सांता क्लारा पुएब्लो के जनजातीय गवर्नर ने राज्य से अपील की कि वह समुदाय में फेंटेनाइल, अल्कोहल के उपयोग और दुरुपयोग से उत्पन्न बढ़ते सार्वजनिक सुरक्षा संकट का समाधान करे। सांता क्लारा के गवर्नर जेम्स नारंजो ने जुलाई में लुजान ग्रिशम को लिखे एक पत्र में कहा था कि प्यूब्लो समुदाय ने इस संकट से निपटने के लिए और उन प्यूब्लो बच्चों की रक्षा के लिए हजारों डॉलर खर्च किए हैं जो अपने माता-पिता या अभिभावक की लत से सीधे और नकारात्मक रूप से प्रभावित होते हैं।

बीजिंग का दावा- अमेरिकी विध्वंसक जहाज खदेड़ा, वर ने कहा- दो युद्धपोत तैनात किए

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ रहा है। बीजिंग ने दावा किया है कि उसने इस जल क्षेत्र से विध्वंसक अमेरिकी जहाज खदेड़े हैं। तनाव के बीच अमेरिका ने कहा कि उसने विवादित क्षेत्र में कुछ समय के लिए दो युद्धपोत तैनात किए थे। बता दें कि दो दिनों पहले फिलीपींस के छोटे जहाज को भगाने के दौरान चीनी जहाज टकरा गए थे।चीन ने विवादित दक्षिण चीन सागर में तैनात अमेरिकी जहाज को खदेड़ने का दवा किया है। हालांकि, अमेरिका ने कहा है कि उसने अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुरूप दक्षिण चीन सागर में दो युद्धपोत तैनात किए हैं। इसी जल क्षेत्र में दो दिनों पहले फिलीपीनी छोटे जहाज को खोदड़ने के क्रम में चीनी नौसेना व तटरक्षक बल के जहाज आपस में टकरा गए थे।अमेरिका ने बुधवार को दक्षिण चीन सागर के विवादित तटवर्ती क्षेत्र में दो युद्धपोत तैनात किए। चीन व फिलीपीन दोनों ही दक्षिण चीन सागर में स्कारबोरो शोल और अन्य बाहरी क्षेत्रों पर अपना दावा करते हैं। वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई व ताइवान भी इस विवादित जलक्षेत्र पर अपने-अपने दावे करते आए हैं।विध्वंसक युद्धपोतों की तैनाती को लेकर मिली जानकारी के मुताबिक अमेरिका ने स्कारबोरो शोल से लगभग 30 समुद्री मील की दूरी पर यूएसएस हिगिंस व यूएसएस सिनसिनाटी को तैनात किया है। चीनी सेना की दक्षिणी थिएटर कमान ने एक बयान में कहा कि यूएसएस हिगिंस बुधवार को चीनी सरकार की मंजूरी के बिना समुद्र में घुस आया था।

पत्रकार संघ का सम्मान समारोह

सामाजिक व्यवस्था का प्रमुख अंग बन चुका है सोशल मीडिया:दिलावर सिंह

गोरखपुर। पत्रकारिता में सोशल मीडिया के हस्तक्षेप से जहां समाज को एक सही दिशा मिल रही है वहीं सामाजिक व्यवस्था का प्रमुख अंग बन चुका है सोशल मीडिया।' उक्त बातें भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार समन्वय समिति और सोशल मीडिया पत्रकार महासंघ के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार दिलावर सिंह ने अपने संबोधन में कहीं। वे बेल्थरा रोड के जश्न मैरिज हॉल में संगठन के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि बावजूद इसके पत्रकारिता में बहुत सी विसंगतिया आई हैं जो पत्रकारिता के मुख्य उद्देश्य से पत्रकार को भटका रही हैं। उन्होंने सभी पत्रकारों से निष्पक्ष पत्रकारिता करने पर बल दिया। इस अवसर पर संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ सतीश चंद्र शुक्ला ने कहा कि संगठन ने अपने पत्रकार हितों के कार्यक्रमों के चलते बहुत कम समय में पूरे देश में अपनी छवि बना ली है और इस समय संगठन 16 प्रान्तों में तेजी से उभर कर सामने आया है। कार्यक्रम को डॉक्टर प्रेमभूषण पाण्डेय, डॉक्टर अलका राय, रामअवध यादव, टीएन मिश्रा, मुजरिम फातिमा, मोहन सिंह वर्मा सहित अनेक गणमान्य बुद्धिजीवियों ने संबोधित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर एसएन राय, डाक्टर नुमान, दानिश आफताब, परवेज हमजा गुड्डू, नईम, तनवीर भाई, अहमद कमाल लड्डन, ओम जी सिंह, विनोद कुमार पप्पू जायसवाल, अशोक मधुर, सत्यम गोंड, मैथ्यू सर, अनिल कुमार, अशोक यादव, अफसार अहमद, सौरभ कुमार, संगम कुमार तिवारी, घनश्याम, सुधीर कुमार, अब्दुस्समद, संजय मिश्रा, बंटी मद्धेशिया, सुधाकर राव, सहित सैकड़ों बुद्धिजीवियों व पत्रकारों ने भाग लिया।

एमएमएमयूटी : स्पॉट काउंसिलिंग से भरी गईं बीटेक की सीटें

संवाददाता

गोरखपुर। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्पॉट काउंसिलिंग के जरिये बीटेक, बीफार्म, बीबीए और लेटरल एंट्री में बुधवार को प्रवेश लिया गया। बीटेक में रिक्त 94 सीटों के लिए 196 अभ्यर्थी पहुंचे। देर रात तक प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली गई। एमएमएमयूटी में बीटेक के 94 छात्र-छात्राओं ने मनपसंद विषय नहीं मिलने के कारण प्रवेश निरस्त करा लिया था। इनमें अन्य राज्यों के 13 और उत्तर प्रदेश के 81 विद्यार्थी शामिल थे। रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए 13 सीटों के सापेक्ष अन्य राज्यों के सिर्फ 9 अभ्यर्थी ही पहुंचे। उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए उपलब्ध 81 सीटों के सापेक्ष 187 अभ्यर्थी पहुंचे। बीटेक में प्रवेश के लिए पहुंचने वाले ज्यादातर अभ्यर्थियों की जेईई मेन में रैंकिंग बेहद कम थी। अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों की रैंकिंग 2,61,452 से 9, 68,269 थी।

मंडलस्तरीय कराटे में गोरखपुर जनपद ने मारी बाजी

संवाददाता

गोरखपुर। लेडी प्रसन्न कौर इंटर कॉलेज बसडीला में बुधवार को आयोजित मंडलस्तरीय कराटे प्रतियोगिता में गोरखपुर जिले के खिलाड़ियों ने बाजी मारी। देवरिया जनपद को दूसरा स्थान मिला। प्रतियोगिता में गोरखपुर और देवरिया जिले के कुल 60 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी 17 से 20 अगस्त तक मेरठ में आयोजित राज्यस्तरीय स्कूल गेम्स में गोरखपुर मंडल टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंडल स्तरीय कराटे प्रतियोगिता से पूर्व गोरखपुर जनपदस्तरीय प्रतियोगिता में चौरीचौरा तहसील ने प्रथम, गोरखपुर महानगर द्वितीय, सदर पूर्वी तृतीय और बांसगांव चतुर्थ स्थान पर रहा। प्रधानाचार्य डॉ. दिनेश मणि त्रिपाठी ने खिलाड़ियों को मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया। निर्णायक की भूमिका जिला कराटे संघ के सचिव अभिषेक जायसवाल, कोषाध्यक्ष भागवत पटेल, अभिषेक गुप्ता आदि ने निभाई।

ऑल इण्डिया उर्स कमेटी ने चेहल्लुम पर निकले जुलूस में शामिल मुतवल्लियों को किया सम्मानित

- गमगीन माहौल में निकला चेहलुम का जुलूस,लब्बैक या हुसैन की गूंजीं सदाएं
- जुलूस में अकीदतमंदों का उमड़ा हुजूम, मर्सिया सुन हर आंख थी अश्कबार

गोरखपुर। चेहल्लुम के दिन 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के पड़ जाने से सारा जुलूस देशभक्ति से लबरेज था। सारा देश आजादी का जश्न मना रहा था, वहीं महानगर के विभिन्न मुहल्लों से निकलने वाले चेहल्लुम (चालिसवां) के जुलूस में भी देश की शान तिरंगा हर तरफ लहर रहा था। गमगीन माहौल में चेहलुम के जुलूस में लब्बैक या हुसैन की सदाएं गुंज रही थी। अकीदतमंदों के लबों पर लब्बैक या हुसैन...लब्बैक या हुसैन... यानी हुसैन हम हाजिर हैं की सदाएं गुंज रही थीं। इस मौके पर अकीदतमंदों के हाथों में "या हुसैन" लिखे झंडे जुलूस में लहर रहे थे। हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत की याद में चेहलुम के निकाले गये जुलूस का बेनीगंज चौराहे पर ऑल इण्डिया उर्स कमेटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष असरार आलम, प्रधान महासचिव मुर्तजा हुसैन रहमानी एवं जाफरा बाजार स्थित शीश महल दरगाह के गद्दीनशीन सज्जाद अली रहमानी ने अस्करगंज के मुतवल्ली नबाबुल हसन सहित दर्जनों मुतवल्लियों का खैरमकदम व इस्तकबाल किया गया। इस मौके पर ऑल इण्डिया उर्स कमेटी के अध्यक्ष मुहम्मद रजा लड्डन खान ने कहा कि इमाम हुसैन और उनके साथियों का चेहलुम है, जिनको तीन दिन का भूखा-प्यासा शहीद कर दिया था। जिनमें इमाम हुसैन के 6 महीने के मासूम बेटे हजरत अली असगर भी शामिल थे। इस मौके पर कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष असरार आलम एवं शीश महल दरगाह के गद्दीनशीन सज्जाद अली रहमानी ने कहा कि चेहल्लुम का जुलूस देख कर्बला के शहीदों की तीन दिन की भूख-प्यास की याद ताजा हो जाती है। चेहलुम के मौके पर हर साल दुनिया भर से लाखों अकीदतमंद कर्बला इराक जाते हैं और वहां से नजफ शहर स्थित रौजा-ए- हजरत अली से कर्बला में रौजा-ए- इमाम हुसैन तक का सफर करते हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से मुहल्ला अस्करगंज के मुतवल्ली नबाबुल हसन, नौशाद अंसारी, नन्हें आलम, परवेज खान, सुग्गुन, शेरू, बाबू, इकबाल, नासिर, जमशेद, महफूज, शादाब, जफर, नसीम अहमद सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

133 यात्री जाएंगे हज यात्रा पर

संवाददाता

गोरखपुर। मुकद्दस हज के सफर पर जाने के लिए बुधवार को यात्रियों का चयन किया गया। इस बार गोरखपुर जिले से करीब 133 लोग हज यात्रा पर जाएंगे। प्रदेश से करीब 18,760 लोगों का चयन किया गया है। आवेदकों में काफी खुशी है। जल्द ही शहर में चयनित हज यात्रियों को प्रशिक्षित करने का सिलसिला भी शुरू होगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कमलेश कुमार मौर्य ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया की सूचना के अनुसार सभी चयनित हज यात्रियों को हज खर्च की पहली किस्त एक लाख 52 हजार तीन सौ रुपये 20 अगस्त तक जमा करनी है। किस्त हज कमेटी ऑफ इंडिया की वेबसाइट व हज सुविधा एप से ऑनलाइन जमा की जा सकती है। हज यात्री पहली किस्त हज कमेटी ऑफ इंडिया के स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाते में ऑफलाइन भी जमा कर सकते हैं। मोहम्मद सईदुल, मोहम्मद अलीमुद्दीन खान, मोहम्मद वारिस खान, बुशरा अंजुम, शब्बीर समेत तमाम चयनित हज यात्रियों ने अल्लाह का शुक्र अदा कर खुशी का इजहार किया है।

गोरखपुर डबल मर्डर: अब नार्को टेस्ट से खुलेगी गुत्थी? 136 दिन बीते, अब तक न सुलझ पाई मां-बेटी की हत्या की कहानी

संवाददाता

गोरखपुर। चौरीचौरा डबल मर्डर केसः

चौरीचौरा के शिवपुर चकदहा में पूनम (45) और उसकी बेटी अनुष्का (13) की 29 मार्च की देर रात गड़ासे से वार कर हत्या कर दी गई थी। घटना के तकरीबन चार महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस वारदात का पदार्फाश नहीं कर सकी। मामले में 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। इसमें करीब 50 संदिग्ध लोगों की सीडीआर भी निकलवाई गई। हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ के बाद भी साक्ष्य नहीं मिलने पर पुलिस को उन्हें छोड़ना पड़ा। चौरीचौरा डबल मर्डर केसः चौरीचौरा थाना क्षेत्र के शिवपुर चकदहा गांव में मां-बेटी की हत्या के पदार्फाश के लिए अब पुलिस छह संदिग्धों का नार्को टेस्ट कराने की तैयारी में है। कोर्ट से इसके लिए पुलिस ने अनुमति हासिल कर ली है। मुख्यालय में समय के लिए पत्राचार भी कर दिया गया है। समय तय होने के बाद संदिग्धों से पुलिस सच उगलवाने की कोशिश करेगी।दरअसल, इस मामले में एक नामजद आरोपी संजय कुमार को पुलिस ने जेल भिजवाया था। वह जमानत पर बाहर आ गया। मगर, पुलिस पदार्फाश नहीं कर सकी है। पुलिस को भी संदेह है कि इसमें नामजद आरोपी के अलावा अन्य लोग भी शामिल हैं। चौरीचौरा के शिवपुर चकदहा में पूनम (45) और उसकी बेटी अनुष्का (13) की 29 मार्च की देर रात गड़ासे से वार कर हत्या कर दी गई थी। घटना के तकरीबन चार महीने बीत जाने के बाद भी पुलिस वारदात का पदार्फाश नहीं कर सकी। मामले में 100 से अधिक लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। इसमें करीब 50 संदिग्ध लोगों की सीडीआर भी निकलवाई गई। हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ के बाद भी साक्ष्य नहीं मिलने पर पुलिस को उन्हें छोड़ना पड़ा। पूरी घटना में छह लोगों को पुलिस संदिग्ध मान रही है। इनसे पूछताछ भी हुई है लेकिन उनसे कोई ऐसा तथ्य नहीं मिला जिससे घटना का पदार्फाश हो सके। एसपी नार्थ जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि नार्को टेस्ट की प्रक्रिया चल रही है, जल्द ही केस का पदार्फाश कर लिया जाएगा।यह हुई थी वारदात29 मार्च की देर रात करीब 1:30 बजे मां-बेटी पूनम (45) और उनकी बेटी अनुष्का (13) की गड़ासे से वार कर हत्या की गई थी। सूचना पर पहुंची चौरीचौरा पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की थी। तब पूनम का मोबाइल वहां नहीं मिला था। जांच में पता चला था कि घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पूनम का मोबाइल लेकर भाग गए थे। घटना के समय आरोपियों ने पूनम की बड़ी बेटी खुशबू को दूसरे कमरे में बंद कर दिया था। खुशबू ने अपने कमरे की दरवाजे की छेद से आरोपियों को देखा था। उसकी तहरीर पर चौरीचौरा पुलिस ने मुख्य आरोपी के रूप में संजय उर्फ शैलेंद्र, उसके पिता कोटेदार सरजू, भाई सुरेंद्र और दो अज्ञात पर हत्या का केस दर्ज किया था।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता मैकू चौहान की मृत्यु सामान्य तरीके से 31.10.2001 को हो चुकी है,प्रार्थी के मृतक पिता के मृत्यु प्रमाण पत्र की आवश्यकता है।

विंध्याचल चौहान पुत्र स्व. मैकू चौहान
215,मिजार्पुर,पचपेड़वा,चक्सा हुसैन, अंबेडकर नगर,जनपद- गोरखपुर।

'Vote chori' row: Opposition mulls impeachment of CEC Gyanesh Kumar

New Delhi- Taking exception to Chief Election Commissioner (CEC) Gyanesh Kumar's comments at a press conference a day earlier, the INDIA bloc of Opposition parties on Monday said it was considering "both legal and Constitutional measures" against the poll panel chief. It is learnt that the Opposition is considering moving a notice for an impeachment motion against Kumar, whom it accused of "talking like a BJP spokesperson" instead of answering questions on the Special Intensive Revision (SIR) of electoral rolls in Bihar and alleged voter-list irregularities. On Sunday, faced with mounting questions from the Opposition, Kumar asked Lok Sabha Leader of Opposition (LoP) Rahul Gandhi to either submit allegations of vote theft on a sworn affidavit or apologise to the nation. According to sources, the matter of the CEC's impeachment was discussed at a meeting of Opposition floor leaders chaired by Rajya Sabha LoP and Congress president Mallikarjun Kharge earlier in the day. "We have had discussions and there is consensus. We will take an appropriate decision at the appropriate time," said the Congress's Deputy Leader in the Lok Sabha, Gaurav Gogoi, who was among those who addressed a press conference of Opposition parties. Accusing the EC of "running away" from the Opposition's allegations, Gogoi said, "The right to vote is the most important among those in the Constitution ... Our democracy is alive solely because of this right, the Election Commission of India (ECI) is the protector of this right; but are seeing that it is not only unable to answer questions being raised by several political parties, it is running away from them." Gogoi said the poll panel appeared to be "under the command of certain officials who are clearly biased ... this is why they are against any investigation of voter fraud", adding that MPs from several parties would keep an eye on the EC. Trinamool Congress (TMC) MP Mahua Moitra said the EC's job, as a Constitutional body, was "not to attack the Opposition". She said Kumar's press conference on Sunday was "a display of puppetry". "Mr (Election) Commissioner Sir, I would urge that you leave that to your political masters ... this is ludicrous, it is not the job of the CEC to attack the Opposition, your job, sir, is to go into great detail as to what the valid queries raised by the Opposition were." "Is the list on which the Lok Sabha election was held fraudulent? If that is true, the current and previous Election Commissioners should be prosecuted, and

this Lok Sabha should be dissolved immediately," she said. Claiming that "democracy is in peril", DMK MP Tiruchi Siva said the Opposition would "resort to both legal and parliamentary procedures" going forward, while Shiv Sena (UBT) MP Arvind Sawant said Opposition parties "were expecting clarity" from the CEC on the issues they had raised, "but instead we got a CEC speaking like a spokesperson of the BJP". CPI(M) MP John Brittas alleged that the BJP-led NDA alliance had the "ulterior motive" of making the "EC its B-team", accusing the poll panel of bias. "We believe there is a diabolical design to adulterate the voter list from Kerala to Jammu and Kashmir," he said. AAP MP Sanjay Singh accused Kumar of making "illogical statements" and providing no answers, demanding how "not even a single vote was added" to the rolls in Bihar even as 65 lakh names were removed in the draft rolls published on August 1.

Social media has become an important part of the social system : Dilawar Singh

Gorakhpur. While the intervention of social media in journalism is giving the society a right direction, social media has become an important part of the social system.' The above words were said by Sardar Dilawar Singh, the founder national president of the Indian National Journalist Coordination Committee and Social Media Journalist Federation, in his address. He was speaking at the felicitation ceremony of the organization at Jashn Marriage Hall, Belthara Road. He further said that despite this, many discrepancies have come up in journalism which are deviating the journalist from the main objective of journalism. He stressed on all journalists to do unbiased journalism. On this occasion, the provincial president of the organization, Dr. Satish Chandra Shukla said that due to its programs for the interests of journalists, the organization has created its image in the entire country in a very short time and at present the organization has emerged rapidly in 16 provinces."The program was addressed by many eminent intellectuals including Dr. Prem Bhushan Pandey, Dr. Alka Rai, Ram Avadh Yadav, TN Mishra, Mujrim Fatima, Mohan Singh Verma. Dr. SN Rai, Dr. Numan, Danish Aftab, Parvez Hamza Guddu, Naeem, Tanveer Bhai, Ahmed Kamal Laddan, Om G Singh, Vinod Kumar Pappu Jaiswal, Ashok Madhur, Satyam Gond, Mathew Sir, Anil Kumar, Ashok Yadav, Afsar Ahmed, Saurabh Kumar, Sangam Kumar Tiwari, Ghanshyam, Sudhir Kumar, Abdussamad, Sanjay Mishra, Bunty Madheshiya, Sudhakar Rao, along with hundreds of intellectuals and journalists participated in the program.

PM Modi thanks Putin for sharing insights on Alaska talks with Trump, reiterates call for peace in Ukraine

New Delhi | Days after US President Donald Trump and Russian President Vladimir Putin held their first face-to-face talks in Alaska since the outbreak of the Ukraine war, Prime Minister Narendra Modi said on Monday that Putin had personally briefed him on the outcome of the meeting. The summit, held in Anchorage last week, produced no ceasefire but gave Putin a platform to press for territorial concessions from Kyiv. In a post on X, PM Modi wrote: "Thank my friend, President Putin, for his phone call and for sharing insights on his recent meeting with President Trump in Alaska. India has consistently called for a peaceful resolution of the Ukraine conflict and supports all efforts in this regard. I look forward to our continued exchanges in the days to come." Thank my friend, President Putin, for his phone call and for sharing insights on his recent meeting with President Trump in Alaska. India has consistently called for a peaceful resolution of the Ukraine conflict and supports all efforts in this regard. I look forward to our... Putin's Alaska trip marked his first visit to US soil in years and was seen as a symbolic diplomatic win, even though Ukraine swiftly rejected his proposals. Meanwhile, US–India ties are under new strain. The Trump administration recently raised tariffs on Indian goods from 25% to 50%, arguing that India's refining and re-export of discounted Russian crude was helping to finance Moscow's war effort. India has called the move unfair, insisting that it will continue to secure energy supplies from a range of sources while maintaining its policy of strategic autonomy.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।